सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय जैविक संस्थान,नोएडा
(एनसीसी–एचवीपीआई)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

हीमोविजिलेंस समाचार-पत्रक

भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम

भारत सरकार की माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रविण पवार, रक्तदाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग के लिए प्रथम मार्गदर्शी दस्तावेज जारी करते हुए।

हीमोविजिलेंस समाचार–पत्रक खंड क्र. 10, अंक 20, जुलाई–दिसम्बर, 2022

03 भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धियाँ

04 एचवीपीआई के तहत ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन/संस्थागत प्रतिनिधित्व

05 ट्रांसफ्यूजन चिकित्सा क्लीनिक पर लेख

08 दाता मार्गदर्शन दस्तावेज

"इस समाचार–पत्रक का उद्देश्य, भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम की सूचनाओं का विस्तृत प्रचार – प्रसार करना है जिससे सुरक्षित रक्त आधान और रक्त उत्पाद प्रशासन कार्यप्रणालियों की हैल्थकेयर पेशेवरों और हितधारकों के मध्य जागरूकता उत्पन्न हो सके."

संपादकः

डॉ. आकांक्षा बिष्ट,वैज्ञानिक ग्रेड–II एवं प्रमुख,भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम,एचवीपीआई, एनआईबी, नोएडा

संपादक मंडलः

1. प्रो. (डॉ.) रवनीत कौर, प्रमुख,चिकित्सा आधान विभाग, सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय एवं हॉस्पिटल,चंडीगढ़
2. डॉ. पारस जैन, कनिष्ठ वैज्ञानिक, एनआईबी, नोएडा
3. श्री रीतेश कुमार, प्रयोगशाला तकनीशियन, एनआईबी, नोएडा

विशेषज्ञ समीक्षाकारः

1. डॉ. नीलम मारवाहा, पूर्व प्रोफेसर एवं प्रमुख, चिकित्सा आधान विभाग,पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एज्यूकेशन एंड रिसर्च,चंडीगढ़
2. प्रो. (डॉ.) जयश्री शर्मा, प्रमुख, चिकित्सा आधान विभाग,सेठ जी.एस.मेडिकल कॉलेज एवं के.ई.एम हॉस्पिटल, मुंबई, महाराष्ट्र
3. प्रो. (डॉ.) यू.बी.मिश्रा, प्रमुख, हॉस्पिटल प्रशासन विभाग, के.जी.एम.यू, लखनऊ
4. डॉ. यू.सी.दत्ता, निदेशक, रक्त बैंक, रहमान हॉस्पिटल्स प्रा. लि. गुवाहाटी, असम
5. प्रो. (डॉ.) डी.आर.आर्या, प्रमुख, चिकित्सा आधान विभाग,एस.पी. मेडिकल कॉलेज एवं ए.जी. हॉस्पिटल, बीकानेर
6. डॉ. सी. शिवराम, सलाहकार एवं प्रमुख, चिकित्सा आधान,मणिपाल हॉस्पिटल्स, बैंगलोर
7. प्रो. (डॉ.) विजय सवाहने, प्रमुख, चिकित्सा आधान विभाग,सरकारी मेडिकल कॉलेज, जम्मू
8. डॉ. जी.सेल्वराज,पूर्व निदेशक,औषधि नियंत्रक, तमिलनाडु
9. डॉ. इरफाना निखत,सलाहकार एवं प्रमुख,स्टार हॉस्पिटल्स रक्त केंद्र, हैदराबाद
10. प्रो.(डॉ.) शामी शास्त्री, प्रो. एवं प्रमुख, डिपार्टमेंट ऑफ इम्यूनोहेमटोलोजी एवं रक्त आधान, के.एम.सी, मणिपाल विश्वविद्यालय, मणिपाल

विषयवस्तु तालिका

भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम–प्रमुख उपलब्धियाँ	3
हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के अन्तर्गत ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन/संस्थागत प्रतिनिधित्व	4
ट्रांसफ्यूजन चिकित्सा क्लीनिक पर लेख	5
प्रकाशित लेख	7
रक्तदाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग के लिए पहला मार्गदर्शी दस्तावेज जारी करना	8
बैठकें	9
भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के अन्तर्गत नामांकित नए सदस्य	10
एचवीपीआई के अन्तर्गत अपने केंद्र का नामांकन कैसे कराएं	15

भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम–प्रमुख उपलब्धियाँ

राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी), नोएडा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,भारत सरकार के द्वारा राष्ट्रीय समन्वयक केंद्र (एनसीसी) के रूप में भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर 10 दिसम्बर,2012 को देश में फैले 90 मेडिकल संस्थानों में प्रारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य रक्त आधान एवं रक्त दान के संबंधित प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं का पता लगाना है।

हीमोविजिलेंस को रक्त के एकत्रीकरण से उसके संगठकों की प्राप्तकर्ता के साथ अनुवर्ती कार्रवाई अर्थात् रक्तदाता की नसों से प्राप्तकर्ता की नसों तक पहुंचाने की सम्पूर्ण आधान शृंखला की जांच प्रतिक्रियाओं के एक सैट के तौर पर परिभाषित किया जाता है। इसमें कोशिश रहती है कि अस्थिर रक्त उत्पाद के चिकित्सीय उपयोग के परिणाम स्वरूप अनचाहे अथवा अवांछित कारणों की सूचनाओं का संग्रह एवं आकलन कर उनकी उपस्थिति एवं पुनरावृत्ति रोकी जाए। हीमोविजिलेंस रक्त आधान शृंखला की गुणवत्ता में सुधार करने का एक साधन है जो मुख्य रूप से सुरक्षा पर केन्द्रित है।

1. प्राप्तकर्ता – तंत्र अर्थात रोगी में रक्त आधान की प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग को भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) में शामिल किया गया। जिसे देश में 10 दिसम्बर 2012 को प्रारम्भ किया गया था।
2. दाता तंत्र अर्थात रक्तदान से सबंधित प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग को राष्ट्रीय रक्त दाता विजिलेंस कार्यक्रम (एनबीडीवीपी) में शामिल किया गया। जिसे एचवीपीआई के तत्वावधान में 14 जून 2015 को विज्ञान नगरी, कोलकाता में विश्व रक्तदाता दिवस को प्रारंभ किया गया था।
3. राष्ट्रीय जैविक संस्थान की वैबसाइट www.nib.gov.in में प्रतिकूल आधान प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग ऑनलाइन हीमो–विजिल सॉफ्टवेयर के द्वारा और प्रतिकूल रक्तदाता प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग डोनर–विजिल सॉफ्टवेयर के द्वारा की जाती है।

सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) की अध्यक्षता में 12 दिसम्बर, 2014 को आयोजित राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) की गवर्निंग बॉडी की बैठक में संस्थान की अपनी उप–विधि 3.4.1 के अनुसार, राष्ट्रीय जैविक संस्थान को भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं समन्वयन के लिए एक अधिदेश (मेंडेट) के तौर अनुमोदित किया गया है।

डीसीजी (आई) ने एचवीपीआई के अंतर्गत सभी लाइसेंस प्राप्त रक्त केन्द्रों के नामांकन के लिए 4 दिसंबर, 2015 को कार्यालय ज्ञापन जारी किया। इन लाइसेंस प्राप्त रक्त केंद्रों को एचवीपीआई के तहत हीमो–विजिल सॉफ्टवेयर को अपने प्रतिकूल ट्रांसफ्यूजन डेटा को अपलिंक करने के लिए एनआईबी से अपनी उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड प्राप्त करना होता है।

नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर होस्पिटल्स एंड हैल्थकेयर प्रोवडायर्स (एनएबीएच) ने वर्ष 2016 में जारी रक्त केन्द्रों एवं आधान सेवाओं के एक्रिडिटेशन स्टैंडर्ड के अपने तीसरे संस्करण में भारतीय राष्ट्रीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के अंतर्गत रक्त केन्द्रों द्वारा नामांकन को शामिल किया है और जारी निर्देशों के अनुसार, प्रतिकूल रक्तदाता प्रतिक्रियों और प्रतिकूल आधान प्रतिक्रियों को मॉनिटर करने को कहा गया है।

एनसीसी– एचवीपीआई,एनआईबी भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के अधीन सक्रियता से रिपोर्टिंग करने वाले केन्द्रों को प्रमाणपत्र जारी करता है।

भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) के तहत ऑनलाइन आयोजित वेबिनार

❖ एनआईबी के हीमोविजिलेंस डिवीजन द्वारा 06 अप्रैल, 2022 को नेशनल ब्लड डोनर विजिलेंस प्रोग्राम (एनबीडीवीपी) के तहत सिवीयरिटी ग्रेडिंग टूल (एसजीटी) अध्ययन के तहत 50 रक्त केंद्रों के लिए एक वेबिनार का आयोजन किया गया था, जिसमें स्पष्टीकरण सहित एसजीटी अध्ययन मामलों पर चर्चा की गई । उक्त वेबिनार में प्रतिभागी केंद्रों के अलावा, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञों ने भी भाग लिया।

भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) के तहत संस्थागत प्रतिनिधित्व

❖ 20–21 मई, 2022 को सिलचर, असम में हीमोविजिलेंस, रक्त दाता सतर्कता और स्वैच्छिक रक्तदान पर बराक वैली वॉल्यून्टरी ब्लड डोनर फोरम केंद्रीय समिति द्वारा आयोजित और फेडरेशन ऑफ ब्लड डोनर ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया (एफबीडीओआई) द्वारा समर्थित दूसरी पूर्वोत्तर कार्यशाला के दौरान एचवीपीआई प्रमुख ने 20 मई, 2022 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से "भारत के हीमोविजिलेंस प्रोग्राम (एचवीपीआई)" की यात्रा पर व्याख्यान दिया गया।

❖ एचवीपीआई प्रमुख ने 28–29 मई 2022 को उत्तर 24 परगना के बारासात रवींद्र भवन में एफआईबीडीओ, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित फेडरेशन ऑफ इंडियन ब्लड डोनर्स ऑर्गेनाइजेशन (एफआईबीडीओ) पश्चिम बंगाल राज्य सम्मेलन– 2022 में 28 मई, 2022 को "एनआईबी– हीमोविजिलेंस क्या है और रक्त सुरक्षा के लिए एफआईबीडीओ क्या भूमिका निभा सकता है" विषय पर एक ऑनलाइन प्रस्तुति दी।

विषय : ट्रासफ्यूजन चिकित्सा क्लीनिक

लेखक का नाम : डॉ प्रसून भट्टाचार्य,
पदनाम : प्रोफेसर एवं प्रमुख
संगठन : इम्यूनोहेमेटोलॉजी और ब्लड ट्रांसफ्यूजन विभाग, मेडिकल कॉलेज कोलकाता, 700073

रक्त और उसके कम्पोनेन्ट्स का ट्रांसफ्यूजन करना किसी भी स्वास्थ्य देखभाल सुविधा का एक अनिवार्य हिस्सा है। हमारे देश ने पिछले दो दशकों में रक्त कम्पोनेन्ट्स तैयार करने और उनके अनुप्रयोगों के मामले में काफी प्रगति की है। नई प्रौद्योगिकियों के समावेश, ट्रांसफ्यूजन चिकित्सा विभागों का सृजन और राष्ट्रीय रक्त नीति के उद्देश्यों का पालन करते हुए क्षमता निर्माण अप्रोच अपनाने से रक्त ट्रांसफ्यूजन सेवाओं के परिदृश्य में काफी सुधार हुआ है। इससे रक्त ट्रांसफ्यूजन की अल्पकालिक और दीर्घकालिक जटिलताओं में कमी आई है। रक्त ट्रांसफ्यूजन की प्रतिकूल घटनाओं में कमी लाने के लिए इसकी निगरानी और इनसे उत्पन्न साक्ष्य–आधारित सिफारिशों के लिए राष्ट्रीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम 10 दिसंबर, 2012 को आरंभ किया गया था। औषधि के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत कार्यरत राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरण केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन(सीडीएससीओ) द्वारा ब्लड बैंकों के नाम को बदलकर अब रक्त केंद्र कर दिया गया है। भारत में वर्तमान में लाइसेंस प्राप्त 22 से अधिक रक्त कम्पोनेन्ट्स / सुविधाएं हैं और भविष्य में रक्त केंद्रों में रक्त कम्पोनेन्ट्स की कई नई पीढ़ियों को उत्पन्न करने की क्षमता है।

तथापि, हमारे चिकित्सा समुदाय में रक्त कम्पोनेन्ट्स के उपयोग से संबंधित ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रैक्टिस में ठहराव नहीं आना चाहिए क्योंकि इस विशेष चिकित्सा विषय को स्नातक पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया गया है, न ही इसे अभी तक प्रत्यक्ष रूप से रोगी देखभाल से जोड़ा गया है। जिन केंद्रों में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग हैं, उन्हें अधिक सक्रियता से कार्य करना चाहिए और रोगी की बेहतर देखभाल के लिए अपनी विशेषज्ञता को विस्तार देना चाहिए। अधिकतर समय रोगी की हीमोविजिलेंस रिपोर्टिंग उस समय तक अधूरी होती है जब तक कि इसका मूल्यांकन ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन चिकित्सक द्वारा नहीं किया जाता है। रोगी देखभाल व्यवस्था की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है क्योंकि रक्त कम्पोनेन्ट्स ट्रांसफ्यूजन इन–पेशेंट इंटरवेंशनों में आम है और एलोजेनिक ट्रांसफ्यूजन किसी टिशू ट्रांसप्लांट से कम नहीं है।

इम्यूनोहेमेटोलॉजी और ब्लड ट्रांसफ्यूजन विभाग (आईएचबीटी) की स्थापना 26 जुलाई, 2010 को पश्चिम बंगाल के कलकत्ता मेडिकल कॉलेज अस्पताल ब्लड बैंक (अब रक्त केंद्र) में की गई थी जिसने वर्ष 2011 में आईएचबीटी में पोस्ट ग्रेजुएट एमडी का कोर्स शुरू करने के साथ कार्य करना आरंभ किया था। अब तक यह घनी आबादी वाले राज्य का एकमात्र शैक्षणिक केंद्र है, जो रक्त कम्पोनेन्ट्स के तर्कसंगत अनुप्रयोग और उनके संभावित खतरों से संबंधित विभिन्न मेडिकल स्पेसिएलिटीज को लगातार सेवाएं और परामर्श प्रदान कर रहा है। इसके अलावा, एआरडीएस वाले गंभीर कोविड–19 रोगियों में कन्वेलसेंट प्लाज्मा के तर्कसंगत अनुप्रयोग के लिए हमारी अप्रोच को दुनिया भर के कई प्रमुख वैज्ञानिक निकायों / संस्थानों द्वारा मान्यता दी गई है।

हमारी साख और प्रत्यक्ष रोगी देखभाल फैकल्टीज की पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए, स्टेट ब्लड सेल, नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) और स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल (एसबीटीसी) ने डे केयर और इनडोर रोगी सेवाएं प्रदान करने के लिए 9 जून, 2021 को हमसे संपर्क किया था। आरंभ में सेवाओं को हीमोग्लोबिनोपैथी, कॉन्जेनिटल ब्लीडिंग कोएगुलेशन डिसआर्डर और ल्यूको–रिडक्शन और विस्तारित फेनोटाइप मिलान लाल कोशिकाओं जैसे विशेष कम्पोनेन्ट्स की आवश्यकता वाले रोगियों की बेहतर देखभाल के लिए लक्षित किया गया था।

रोगी देखभाल सेवा की दिशा में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए विभाग, आईएचबीटी, मेडिकल कॉलेज कोलकाता ने दिनांक 06 अप्रैल, 2022 को ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन क्लिनिक के रूप में अपनी पहली ओपीडी सेवाएं शुरू कीं थी जो प्रत्येक बुधवार को सुबह 9.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक उपलब्ध रहती हैं। वर्तमान में हमारी सेवाओं के दायरे में शामिल हैं:

1. विशेष रूप से ट्रांसफ्यूजन पर निर्भर रोगियों और कैंसर कीमोथेरेपी में रक्त ट्रांसफ्यूजन के दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों ही प्रभावों का निर्धारण करने के लिए पोस्ट–ट्रांसफ्यूजन फॉलो–अप क्लिनिक।
2. प्री–ऑपरेटिव एनीमिया और रोगी रक्त प्रबंधन।
3. प्रसवपूर्व माताओं की स्क्रीनिंग।
4. जिन रोगियों में रक्त कम्पोनेंट्स चिकित्सा के प्रति सहिष्णुता कमजोर है (जैसे एलोइम्यूनाइजेशन, रिकरंट ट्रांसफ्यूजन प्रतिक्रियाएं, प्लेटलेट रिफ्रेक्ट्रीनेस आदि)।
5. रक्तदाता से संबंधित सेवाएं (स्थगित रक्तदाता, दाता प्रतिकूल घटनाएं और रक्तदान के बाद परामर्श)।
6. गंभीर रोगियों और रिजेनरेटिव मेडिसिन क्लिनिक में विशेष रक्त कम्पोनेंट सहायता।

हमें आशा है कि दीर्घावधि में ट्रांसफ्यूजन सेवाओं का उपयोग ठोस अंग और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सुविधाओं वाली टर्शरी स्वास्थ्य देखभाल सुविधा में अधिक महत्वपूर्ण होगा।

ट्रांसफ्यूजन सेवाओं की बेहतरी एवं गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा के नए क्षितिज की खोज के लिए देशभर में प्रत्येक शिक्षण संस्थान में इसी तरह की पहल करनी आवश्यक है।

संदर्भ/References

1. Bisht A, Singh S, Marwaha N. Haemovigilance Program – India. Asian J transfu Sci; 7(1): 73 -74
2. cdsco.gov.in (accessed on 04.07.2022)
3. Biswas D, Maiti C, Talukder B, Azharuddin M, Saha S, Pandey S et al. A prospective study on COVID-19 convalescent plasma donor (CCP) recruitment strategies in a resource constrained blood centre. ISBT Sci Ser. 2021 Jun 1:10.1111/voxs.12639. doi: 10.1111/voxs.12639. Epub ahead of print. PMID: 34226835; PMCID: PMC8242402.
4. Bandopadhyay P, D'Rozario R, Lahiri A, Sarif J, Ray Y, Paul SR, et al. Nature and Dimensions of Systemic Hyperinflammation and its Attenuation by Convalescent Plasma in Severe COVID-19. J Infect Dis. 2021 Aug 16;224(4):565-574. doi: 10.1093/infdis/jiab010. PMID: 34398242; PMCID: PMC7928875.
5. Ray Y, Paul SR, Bandopadhyay P, D'Rozario R, Sarif J, Raychaudhuri D, Bhowmik D et al. A phase 2 single center open label randomised control trial for convalescent plasma therapy in patients with severe COVID-19. Nat Commun. 2022 Jan 19;13(1):383. doi: 10.1038/s41467-022-28064-7. PMID: 35046397; PMCID: PMC8770561.

****

आईएचएन टेलीकांफ्रेंस

- ❖ अंतर्राष्ट्रीय हीमोविजिलेंस नेटवर्क (आईएचएन) की सचिव होने के नाते एचवीपीआई प्रमुख ने 20 और 21 जनवरी 2022 को मेजबान स्थान थेसालोनिकी, ग्रीस के साथ ऑनलाइन मोड में आयोजित जीएपीपी (रक्त, ऊतकों और कोशिकाओं के लिए तैयारी प्रक्रिया का अथोराइजेशन), अंतिम प्रसार सम्मेलन में भाग लिया।
- ❖ आईएचएन बोर्ड की सचिव होने के नाते एचवीपीआई प्रमुख ने 29 मार्च 2022 को आईएचएन द्वारा आयोजित प्लाज्मा विजिलेंस पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हीमोविजिलेंस नेटवर्क 2022 के वर्चुअल मिनी–सेमिनार में भाग लिया।

प्रकाशित लेख

इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन (आईएसबीटी) के अंक ट्रांसफ्यूजन टुडे, नंबर 131, अप्रैल 2022 में "भारत में हीमोविजिलेंस प्रोग्राम के कार्यान्वयन का पहला दशक" पर एक लेख प्रकाशित हुआ है।

Regional

Akanksha Bisht
National Institute of Biologicals, NOIDA, Ministry of Health & Family Welfare, India

First decade of implementation of Haemovigilance Programme in India

The National Institute of Biologicals (NIB), NOIDA is an APEX autonomous institute under the administrative control of Ministry of Health & Family Welfare, Government of India engaged in Quality Control Evaluation of various biological products like vaccines, blood products, blood reagents, sera, Immuno-diagnostic kits etc. produced and imported into India.

Haemovigilance is a tool to improve the quality of the blood transfusion chain, primarily focusing on safety. The Haemovigilance Programme of India is being implemented since year 2012, with National Institute of Biologicals, NOIDA, Ministry of Health & Family Welfare, Government of India as the National Coordinating Centre. The programme tracks the Adverse Reactions associated with Blood Transfusion and Blood Donation. This system includes monitoring, reporting investigation, identification and analysis of adverse reactions related to transfusion & blood donation. The programme aims to improve the safety & quality of blood being received by the patients and promotes voluntary blood donations with the view to improve safe blood transfusions practices in our country.

The NIB is also actively involved with World health organization (WHO) for organizing workshops for strengthening of blood services and haemovigilance in SEAR countries. Further India is a member of International Haemovigilance Network (IHN) since 2014.

Awareness about the programme, its objectives and its non- punitive implications is being generated through publications in reputed journals/ magazines & Haemovigilance Newsletters and also by organizing CMEs/ Trainings/ Workshops/ Conferences on HvPI in different regions of the country. Till date total 76 CMEs/ Trainings/ Workshops/ Conferences on HvPI have been organized by NIB and about 15,023 blood centre officials, clinicians, nurses, blood centre technical staff, blood donors, motivators etc. all across the country have been trained.

The program is analyzing the reactions being submitted online by Blood Centres through indigenously developed haemovigilance software by NIB (Reporting of Adverse Transfusion Reactions is done online via Haemo-Vigil software & reporting of Adverse Blood Donor Reactions is done via Donor-Vigil software available on NIB website i.e. www.nib.gov.in). There are about 3000 plus licensed blood centers in India. Though reporting for the program is voluntary, 1210 centres are enrolled and reported about 55,000 Adverse Reaction Reports accordingly data analysis reports with recommendations for stakeholders are being published from time to time. Such information is a key to introduce required changes in the applicable policies, improve standards, system, processes and assist in the formulation of guidelines.

Haemovigilance as a whole has grown over the last decade across the world, there have been many new developments, definitions, classifications and development of preventive strategies for both recipient and donor vigilance. Haemovigilance is one of the potential quality checks in blood transfusion services and could play an essential role to prevent any breach in safety of blood transfusion practices. So, ultimately to promote and improve safe blood transfusion services in India, Haemovigilance Programme of India is utmost important and there is need to sensitize the fraternity about the Blood Safety thorough Haemovigilance.

एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए जैविक गुणवत्ता नियंत्रण पर राष्ट्रीय कौशल विकास एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 06 जून से 17 जून, 2022 के बीच एन आई बी, नोएडा में हुआ

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) और बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार (असम) के छात्रों को भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया गया और इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 16 जून, 2022 को एक सत्र भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के लिए रखा गया था जिसमें हीमोविजिलेंस सॉफ्टवेयर पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

रक्तदाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग के लिए पहला मार्गदर्शन दस्तावेज जारी करना

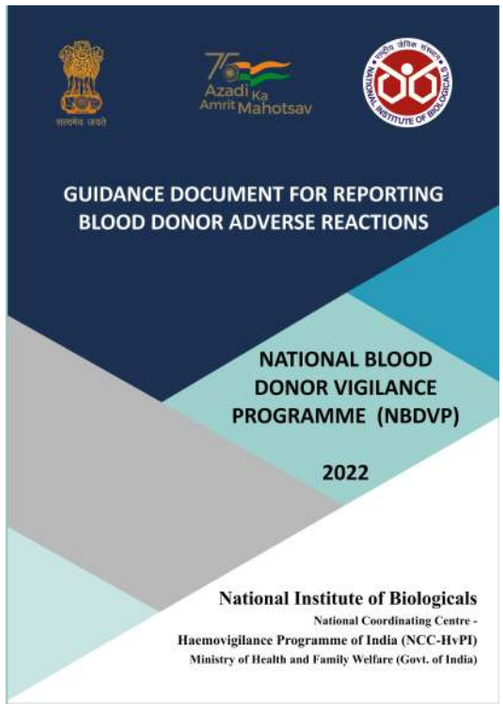

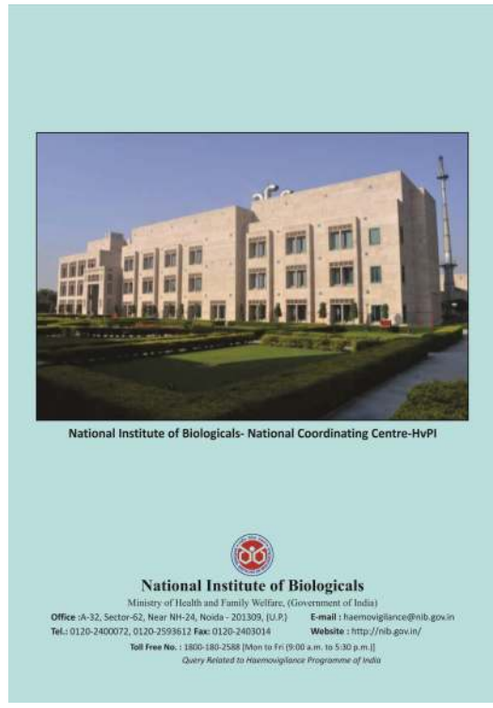

- राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) ने 30 जून, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गयाः राष्ट्र की सेवा में एनआईबी के 30 साल।
- इस समारोह में डॉ. भारती प्रविण पवार, माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय मुख्य अतिथि तथा श्री राजेश भूषण, आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, प्रोफेसर बलराम भार्गव, सचिव डीएचआर एवं महानिदेशक, आईसीएमआर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
- इस अवसर पर माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नेशनल ब्लड डोनर विजिलेंस प्रोग्राम (एनबीडीवीपी) के अंतर्गत 'रक्तदाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग के लिए मार्गदर्शी दस्तावेज' जारी किया गया।

एनआईबी द्वारा आयोजित बैठकें

❖ विश्लेषण के रुझानों से अवगत कराने और विचार–विमर्श करने के लिए नेशनल ब्लड डोनर विजिलेंस प्रोग्राम(एनबीडीवीपी) के तहत सिवयरिटी ग्रेडिंग टूल(एसजीटी) अध्ययन के लिए 16 फरवरी, 2022 को विशेषज्ञों की एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।

❖ भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) में चिकित्सीय एफेरेसिस से संबंधित प्रतिकूल घटनाओं को शामिल करने के लिए ड्राफ्ट कन्सेप्ट नोट पर चर्चा करने के लिए 25 फरवरी, 2022 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।

❖ 24 मई, 2022 को राष्ट्रीय जैविक संस्थान, नोएडा में विशेषज्ञों की एक बैठक आयोजित की गई।

भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के तहत नामांकित नए सदस्य (75)

आंध्र प्रदेश

1. केआईएमएस अस्पताल ब्लड सेंटर , प्रकाशम जिला
2. न्यू लाइफ ब्लड सेंटर, विशाखापत्तनम
3. न्यू लाइफ ब्लड सेंटर, विजयनगरम
4. न्यू लाइफ ब्लड सेंटर, नेल्लोर
5. कोनासीमा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च फाउंडेशन, पूर्वी गोदावरी

असम

1. ब्लड सेंटर नेमकेयर हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड, गुवाहाटी, कामरूप (एम)
2. डाउन टाउन हॉस्पिटल ब्लड सेंटर, गुवाहाटी, कामरूप (एम)

बिहार

1. रोटरी अनूप ब्लड बैंक, पटना
2. मेसर्स रूबन मेमोरियल अस्पताल का ब्लड सेंटर, रतन स्टोन क्लिनिक (रूबन पाटलिपुत्र हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड की इकाई), पटना

छत्तीसगढ़

1. रायपुर आयुर्विज्ञान संस्थान ब्लड बैंक, रायपुर

गुजरात

1. लायंस ब्लड सेंटर, अहमदाबाद
2. इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, चखेड़ा–जिला, नाडियाड
3. आयुष ब्लड सेंटर, वडोदरा
4. जीवनदीप ब्लड सेंटर : अमरेली, राजकोट छात्र संस्कृत्ति समूह द्वारा प्रबंधन

हरियाणा

1. मेसर्स कैनोस ब्लड सेंटर, रोहतक
2. लायंस ब्लड सेंटर, सोनीपत
3. एसएमएस ब्लड सेंटर, हिसार
4. मेसर्स पार्क हॉस्पिटल (पार्क मेडिसेंटर्स एंड इंस्टीट्यूशन प्राइवेट लिमिटेड की की यूनिट), गुरुग्राम
5. पार्क हीलिंग टच हॉस्पिटल ब्लड सेंटर, अंबाला शहर
6. सुप्रीम ब्लड सेंटर, फरीदाबाद
7. आदेश मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, कुरुक्षेत्र
8. निदान अस्पताल, सोनीपत
9. पीके हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, सनार इंटरनेशनल हॉस्पिटल, गुड़गांव
10. एसएफजी ब्लड बैंक, रोहतक

जम्मू–कश्मीर

1. बी एन जनरल हॉस्पिटल ब्लड सेंटर, जम्मू

कर्नाटक

1. नारायण हृदयालय सर्जिकल हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड, मैसूर
2. साइटकेयर हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड ब्लड बैंक, बेंगलुरु
3. हेमोकेयर ब्लड सेंटर, बैंगलोर
4. के. सी. जनरल हॉस्पिटल, बेंगलुरु

केरल

1. श्री नारायण आयुर्विज्ञान संस्थान, एर्नाकुलम जिला
2. जिला अस्पताल, मावेलिक्कारा, अलप्पुझा जिला .
3. एनएस मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, कोल्लम
4. मालाबार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज लिमिटेड कन्नूर जिला
5. मागी अस्पताल, मुक्कन्नूर, एर्नाकुलम जिला
6. त्रावणकोर मेडिकल कॉलेज अस्पताल, कोल्लम जिला
7. लिसी अस्पताल, एर्नाकुलम
8. मार बेसलियोस मेडिकल मिशन हॉस्पिटल ब्लड बैंक, एर्नाकुलम

मेघालय

1. विलियम नगर सिविल अस्पताल ब्लड सेंटर, ईस्ट गारो हिल्स

महाराष्ट्र

1. अपोलो हॉस्पिटल ब्लड सेंटर, नवी मुंबई
2. मेसर्स जुपिटर हॉस्पिटल ब्लड सेंटर, ठाणे (पश्चिम)
3. साईं हेल्थकेयर फाउंडेशन चौरिटेबल ट्रस्ट संजीवनी ब्लड सेंटर, अहमदनगर
4. नवी मुंबई ब्लड सेंटर, खारघर
5. मा साहेब मीनाताई ठाकरे ब्लड सेंटर, नवी मुंबई
6. म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ब्लड सेंटर, नवी मुंबई
7. सेवन हिल्स हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड ब्लड सेंटर, अंधेरी (पूर्व), मुंबई
8. होली स्पिरिट हॉस्पिटल ब्लड सेंटर, अंधेरी (पूर्व), मुंबई
9. श्रीमती कपूरबेन वासनजी लाठिया ब्लड सेंटर , मुंबई
10. राजर्षि शाहू ब्लड सेंटर, कोल्हापुर

नई दिल्ली

1. ब्लड सेंटर, महाराजा अग्रसेन अस्पताल, द्वारका
2. तारक हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड ब्लड बैंक, द्वारका मोड़
3. कालरा हॉस्पिटल एसआरसीएनसी प्राइवेट लिमिटेड, कीर्ति नगर
4. गुरु नानक देव चौरिटेबल ब्लड सेंटर, जनक पुरी

पंजाब

1. ब्लड सेंटर, आईवीवाई अस्पताल, अमृतसर
2. दीपक हॉस्पिटल, लुधियाना

राजस्थान

1. श्रीजी ब्लड बैंक, कोटा
2. ब्लड सेंटर राजकीय महिला चिकित्सालय, अजमेर
3. त्रिवेणी ब्लड बैंक, अजमेर
4. क्षेत्रपाल मल्टीस्पेसिएलिटी एंड रिसर्च सेंटर, ब्लड सेंटर, अजमेर

तमिलनाडु

1. अपोलो स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स, त्रिची
2. ब्लड बैंक, गवर्नमेंट धर्मपुरी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, धर्मपुरी
3. श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चेन्नई
4. गवर्नमेंट तिरुवन्नामलाई मेडिकल कॉलेज अस्पताल, तिरुवन्नामलाई

तेलंगाना

1. सनशाइन ब्लड सेंटर (सर्वजन हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड की यूनिट), सिकंदराबाद
2. आरवीएम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, सिद्दीपेट
3. गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड जनरल हॉस्पिटल, सूर्यापेट
4. सेंट थेरेसा हॉस्पिटल ब्लड सेंटर, हैदराबाद
5. सनशाइन हॉस्पिटल्स ब्लड सेंटर (राजा लक्ष्मी हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड की यूनिट), रंगा रेड्डी जिला
6. लाइफ वॉल्यूंटरी ब्लड सेंटर (लाइफ वॉल्यूंटरी ऑर्गेनाइजेशन की यूनिट), हैदराबाद
7. ओमनी हॉस्पिटल्स ब्लड सेंटर, हैदराबाद
8. इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, ब्लड सेंटर, हनुमाकोंडा
9. न्यू लाइफ ब्लड सेंटर, वानापर्थी

उत्तर प्रदेश

1. अवध चौरिटेबल ब्लड बैंक, लखनऊ
2. ओम चौरिटेबल ब्लड सेंटर, गौतमबुद्ध नगर
3. इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन ब्लड बैंक, प्रयागराज

पश्चिम बंगाल

1. पीयरलेस हॉस्पिटेक्स हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर लिमिटेड, कोलकाता
2. लाइफ केयर मेडिकल फाउंडेशन ब्लड सेंटर, कोलकाता

राष्ट्रीय जैविक संस्थान,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

राष्ट्रीय ब्लड डोनर विजिलेंस कार्यक्रम

(भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम)

प्रतिकूल रक्तदाता प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग फॉर्म

संस्करण–2

क) रक्तदाता सूचना

रक्तदाता आईडी*_____

रक्तदाता का प्रकार*(क) होल ब्लड (ख) एफेरसिस_____(प्लेटलेट्स/प्लाज्मा/ प्लाज्मा +प्लेटलेट्स / आरबीसी / ग्रानुलोसाइट / प्रेरिफेरल ब्लड स्टेम सेल्स कोविड–19 कान्वलेसन्ट प्लाज्मा)

लिंग* ____(पुरुष/महिला/अन्य)

रक्तदाता का वज़न*कि.ग्रा.____ रक्तदाता की लंबाई*(सेमी)____

रक्तदाता प्रकार* क.स्वैच्छिक ख. रिप्लेसमेंट ग.फॅमिली डोनर घ. औटोलोगस (पहली बार/रिपीट)

आयु/जन्म तिथि* वर्ष ____ माह ____ दिन ___ और

रक्तदान का स्थल*_____(रक्त केंद्र/कैंप)

प्रि-डोनेशन वाइट्ल्स* पल्स __ प्रति मि. बीपी (सीसटोलिक) ___ एमएमएचजी बीपी (डायस्टॉलिक)___ एमएमएचजी

रक्तदान की तारीख* _____

रक्तदान का समय घंटे____ मिनिट___

ख) होल रक्त के संग्रहीत रक्त का विवरण / एफेरसिस के संग्रहीत रक्त का विवरण

क) होल ब्लड

रक्त बैग का लॉट न.* _____

संग्रहीत वॉल्यूम(एमएल)*_____

रक्त बैग का विनिर्माता*_____ (टेरूमो पेनपोल लि./मित्रा इंडस्ट्रीज़ प्रा.लि. /एचएलएल लाइफकेयर लि./ फ्रेसेनियस काबी /फेनवल आईएनसी/पोलिमेड/अन्य)

रक्तबैग की एक्सपायरी डेट* _____

(ख) एफेरेसिस

लॉट न. किट*_____

संग्रहीत वॉल्यूम(एमएल)*_____

किट की एक्सपायरी डेट* _____

ग) प्रतिकूल प्रतिक्रिया विवरण

प्रतिक्रिया की तारीख व समय*____घंटे ___मिनट ___

प्रतिक्रिया का प्रकार*_____लोकलाइज्ड/जनरलाइज्ड/दोनों/ अदर रियेक्शंस

डाटा कैपचर्ड*(ऑनसाइट / दाता द्वारा फोन / रक्त केंद्र द्वारा फोन)

प्रतिक्रिया के समय वाटल्स पल्स __प्रति मिनट्स बीपी (सीसटोलिक) _ एमएमएचजी (सीसटोलिक) बीपी(डायस्टॉलिक)___ एमएमएचजी

प्रतिक्रिया समय*___(रक्तदान-पूर्व/रक्तदान के समय/रक्तदान के पश्चात)

प्रतिक्रिया का स्थल*_____(रक्तदान-स्थल/रक्तदान स्थल के बाहर)

वेनीपंक्चर स्थल*_____(बाँए/दाएं)

इंजरी*_____(हाँ/नहीं)

वेनीपंक्चर*(1/2/>2)

रक्तदान पूर्ण _____(हाँ/नहीं)

घ) कॉम्प्लिकेशन्स के प्रकार*

लोकलाइज्ड कॉम्प्लिकेशन्स*

ए 1- कॉम्प्लिकेशन्स मैनली करेक्टराइजेशन बाइ दि ओक्करेंस ऑफ ब्लड आउटसाइड दि वेस्सल्स

(क) ❑ हीमाटोमा (ब्रूस)

(ख) ❑ आर्टेरीयल पंक्चर

(ग) ❑ डिलेड(ब्लीडिंग/री-ब्लीडिंग)[ ](रक्तदान के 30 मि. में/रक्तदान के 30 मि. के बाद)

ए 2 - कॉम्प्लिकेशन्स मैनली करेक्टराइजड बाइ पेन

(क) ❑ नर्व इंजरी/इरिटेशन

(ख) ❑ अदर पेनफुल आर्म

ए 3 - लोकलाइज्ड इन्फ़ैकशन/इन्फ्लेमेशन अलोंग दि कोर्स ऑफ ए वेन

(क) ❑ थ्रोमबोफलेबीटिस

(ख) ❑ सेलुलाइटिस

ए 4-एलर्जि(लोकल):इचिंग एवं रेडनेस एट दि [ ] (वेनिपंक्चर साइट/मेडिकल अढ़ेसिव मेडिकेटिव टेप/स्किन डिसइन्फ़ैकशन एरिया)

ए 5 -अदर मेजर ब्लड वेसल इंजरी -सिरियस कंडिशन्स नीडिंग स्पेशलिस्ट मेडिकल डायग्नोसिस एंड एटेन्शन

(क) ❑ डीप वेनौस थ्रॉंबोसिस (डीवीटी)

(ख) ❑ आर्टेरीओवेनस फिस्टुला

(ग) ❑ कंपार्ट्मेंट सिंड्रोम

(घ) ❑ बेक्रीयल आर्टेरी स्यूडोएन्यूरिज़्म

राष्ट्रीय जैविक संस्थान

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

राष्ट्रीय ब्लड डोनर विजिलेंस कार्यक्रम

(भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम)

प्रतिकूल रक्तदाता प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग फॉर्म

संस्करण–2

जनरलाइज्ड कॉम्प्लिकेशन्स

बी 1 वेसोवेगल रिएक्शनस

(क) ❑ जनरलाइज्ड विक्नेस (ख) ❑ एंजाइटी (ग) ❑ डेज़ीनेस (घ) ❑ नौसिया

(च) ❑ वोमिटिंग (छ) ❑ पल्लोर (स्किन एवं लिप्स) (ज) ❑ रैपिड पल्स (झ) ❑ कोंवलसंस

(ट) ❑ कोल्ड एक्स्ट्रेमिटिएस (ठ) ❑ हाइपरवेंटीलेशन (ड) ❑ हाइपोटेंशन (ढ) ❑ लो वॉल पल्स

(त) ❑ फीलिंग ऑफ वार्म्थ (थ) ❑ टेटनी (द) ❑ लॉस ऑफ बोवेल और ब्लैडर कंट्रोल (ध) ❑ स्यानोंसिस

(न) ❑ चेतना समाप्त (एलओसी)[ ] (<60 सेकंड/ >60 सेकंड) (प) ❑ पसीना आना

बी 2 एलर्जिक रिएक्शन (जनरलाइज्ड)

(ख) ❑ स्यानोंसिस (ख) ❑ व्हीजिंग (ग) ❑ फ़्लशिंग, स्वेल्लिंग ऑफ आइज़, लिप्सऔर टंग

(घ) ❑ चेस्ट टाइटनेस (च) ❑ कार्डियक अरैस्ट

बी 3 अदर सिरियस कॉम्प्लिकेशन्स रिलेटेड टु ब्लड डोनेशन

(क) ❑ अकयूट कार्डियक स्यंमट्मस (अदर देन म्योंकार्डियल इंफर्कशन और कार्डियक अरैस्ट) (ख) ❑ म्योंकार्डियल इंफर्कशन(एमआई)

(ग) ❑ कार्डियक अरैस्ट (घ) ❑ ट्रांसिएंट इस्चमिक अटैक(टीआईए) (च) ❑ डैथ

एफेरेसिस कॉम्प्लिकेशन्स ❑ हाँ/नहीं

सी - कॉम्प्लिकेशन्स रिलेटेड टु एफेरेसिस

(क) ❑ सिट्रेट रिएक्शन

❑ टिंगलिंग/वाइब्रेशन-लिप्स,फिंगर्स ❑ लाइट हेडेनेस ❑ मेटैलिक टेस्ट ❑ मसल ट्वीटचिंग ❑ कार्पोपेडल स्पास्म

❑ शॉक ❑ कार्डियक अरैस्ट ❑ टेटनी ❑ प्रोफालेटिक कैल्सियम गिवेन बिफोर रिएक्शन [ ] (हाँ/नहीं)

(ख) ❑ हीमोल्यसिस ड्यूरिंग प्रोसिडुयर

(ग) ❑ एयर एम्बोलिस्म

(घ) ❑ अनेबल टु रिटर्न रेड सेल (>200 एमएल)

अदर कॉम्प्लिकेशन्स

❑ डी -अदर रिएक्शन प्लीज स्पेसिफाई_____

आउटकम*

❑ रिजोल्व्ड़ ऑन डोनेशन साइट ❑ रिजोल्व्ड़ ऑन फॉलो अप ❑ रिकवर्ड विथ सिकवल

❑ पर्मानेंटली डिसेबल्ड ❑ डैथ फॉलोइंग दि ऐडवर्स रिएक्शनस ❑ अन्नोन

इम्प्यूटेब्लिटी*

❑ डेफनिट (सरटेन) ❑ प्रोब्बल (लाइकली) ❑ पोसेबल

❑ अन्लाइकली (डाउटफुल) ❑ एक्सक्लूडेड

एनी अदर इन्फॉर्मेशन [ ]

रिपोर्टर ..... **डेट ऑफ रिपोर्ट** .....

डेनोमिनेटर डाटा अबाउट ऑल डोनर

टोटल डोनेशन इन दि मंथ (ऑफ रेपोर्टिंग)

❑ होल ब्लड [ ]

वॉल्यूम ऑफ डोनेशन (टोटल)* न. ऑफ 350 एमएल बेग्स [ ] न. ऑफ 450 बेग्स [ ]

❑ एफेरेसिस, इफ एफेरेसिस [ ] आरबीसी [ ] प्लेटलेट्स [ ] प्लाज्मा [ ]

प्लाज्मा + प्लेटलेट्स [ ] ग्रानुलोसाइट [ ] पेरिफेरल ब्लड स्टेम सेल्स [ ]

कोविड–19 कान्वलेसन्ट प्लाज्मा [ ]

जेंडर ऑफ डोनर (टोटल)* पुरुष [ ] महिला [ ] अन्य [ ]

टाइप ऑफ डोनेशन (टोटल)* वोल्नटरी [ ] रिप्लेसमेंट [ ] फॅमिली डोनर [ ] औटोलोगस [ ]

डोनर टाइप (टोटल)* फ़र्स्ट टाइम डोनर्स [ ] रिपीट डोनर्स [ ]

साइट ऑफ डोनेशन (टोटल)* ब्लड सेंटर [ ] कैंप [ ]

ट्रान्सफ्यूजन रिएक्शन रिपोर्टिंग फॉर्म (संस्करण–2)

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय जैविक संस्थान

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

(राष्ट्रीय कोर्डिनेटिंग सेंटर)

भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम

ब्लड एंड ब्लड कम्पोनेंट्स एंड प्लाज्मा प्रोडक्टस ट्रान्सफ्यूजन रिएक्शन रिपोर्टिंग फॉर्म (टीआरआरएफ़)

*मेंडटरी फील्ड

(क) पेशंट इन्फॉर्मेशन*

हस्पताल कोड न.						
पेशेंट इनिसियल्स*	जेंडर*	ब्लड ग्रुप*				
हस्पताल एडमिशन न.*	एज/डेट ऑफ बर्थ*	ईयर्स.........	मंथ...........	डेज़..........	अवर्स.........	मि.................................
प्राइमरी डायगनोसिस*						
मेडिकल हिस्टरी						

(ख) ट्रान्स्फ्यूजन रिएक्शन डिटेल्स*

वोज दि पेशंट अंडर एनिस्थिसिया ड्यूरिंग ट्रान्स्फ्यूजन : यस / नो, इफ यस टाइप : जीए / स्पाइनल / एलए

प्रि- ट्रान्स्फ्यूजन वाईटल्स	टेम.	पल्स	बीपी	आरआर	एसपीओटू
वाईटल्स एट दि टाइम ऑफ रिएक्शन	टेम.	पल्स	बीपी	आरआर	एसपीओटू

प्लीज टिक मार्क दि रेलेवंट एंड सिम्ट्म्न्स लिस्टेड बिलो

जनरलाइज्ड		पेन	रेसपिरेट्री	रिनल	सिरकुलेटरी
☐ फीवर	☐ एंजाइटी	☐ चेस्ट पेन	☐ डिस्पनिया	☐ हामाँचूरिया	☐ ट्रेकीकार्डीया
☐ चिल्ल्स	☐ इचिंग(प्ररिटस)	☐ एबड़ोमिनल	☐ व्हीज	☐ हीमोग्लोबिनूरिया	☐ हाइपरटेंशन
☐ रिगर्स	☐ एडेमा(साइट)	☐ बॅक/फ्लांक पेन	☐ कफ	☐ ओलिगुरिया	☐ हायपोटेंशन
☐ नौसिया	☐ जॉन्डिस	☐ इनफ़्यूजन साइट पैन	☐ हाइपोम्सिमिया	☐ अदर	☐ रेज्ड जेवीपी
☐ आर्टिकेरिया	☐ अदर	☐ अदर	☐ बाइलेटरल इनफिलट्रेट ऑन चेस्ट एक्स-रे		☐ अदर ....
☐ फ्लूशिंग					
☐ रेस्टलेसनेस					
☐ वोमिटिंग			☐ अदर		

एनी अदर (स्पेसिफ़ाई)..

(सी) ट्रांसफ़्यूजन प्रॉडक्ट(स) डिटेल्स*

सलेक्ट*	सलेक्ट कंपोनेंट	सलेक्ट इंडिकेशन	डेट एंड टाइम ऑफ इशू ऑफ ब्लड कंपोनेंट	डेट एंड टाइम ऑफ ऑनसेट ट्रांसफ़्यूजन	यूनिट आइडी (ट्रांसफ़्यूजड)	ब्लड ग्रुप	वॉलयूम ट्रांसफ़्यूजड (एमएल)	एक्सपायरी डेट ऑफ ब्लड कंपोनेंट	मैनुफैकचर ऑफ ब्लड बैग	बैच/लॉट न. ऑफ दि ब्लड बैग	फ़र्स्ट टाइम / रिपीट ट्रांसफ़्यूजन
☐	सालाइन वॉशड रेड सेल्स										
☐	कोविड-19 कान्वलेसन्ट प्लाज्मा										
☐	होल ब्लड										
☐	पैकड रेड ब्लड सेल्स (पीआरबीसी)										☐ फर्स्ट टाइम
☐	बफ़ी कोट डिप्लेटेड (पीआरबीसी)										
☐	ल्यूकोफिलटर्ड पीआरबीसी										
☐	रेंडम डोनर प्लेटलेट्स/पूल्ड										☐ रिपीट 1 टु 10
☐	अफेरेसिस प्लेटलेट्स										
☐	फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा										
☐	क्रायोपरिसीपीटेट										☐ रिपीट >10
☐	एनी अदर										

ऍड न्यू प्लाज्मा प्रॉडक्ट

सलेक्ट	प्लाज्मा प्रॉडक्ट	इंडिकेशन	डेट ऑफ एडमिनिट्रेशन	मैनुफैक्चर	एक्सपाइरी डेट ऑफ प्लाज्मा प्रॉडक्ट	बैच न. /लॉट न.	फ़र्स्ट टाइम /रिपीट
							☐ फ़र्स्ट टाइम ☐ रिपीट वन टु टेन ☐ रिपीट >10

(डी) इनवेस्टिगेशनस				
	☐	क्लेरिकल चेकस	स्पेसिफ़ाई ईरर फाउंड इफ एनी	
		इनवेस्टिगेशन	**प्रि-ट्रांस्फ्यूजन सेंपल**	**पोस्ट- ट्रांस्फ्यूजन सेंपल**
	☐	विज्वल चेक		
*	☐	रिपीट ब्लड ग्रूपिंग	O+/A+/B+/AB+/O-/B-/AB-/अदर्स/नॉट डन	O+/A+/B+/AB+/O-/B-/AB-/अदर्स/नॉट डन
*	☐	रिपीट क्रॉसमैच	☐ कॉम्पैटेबल ☐ इन कॉम्पैटेबल ☐ नॉट डन	☐ कॉम्पैटेबल ☐ इन कॉम्पैटेबल ☐ नॉट डन
*	☐	रिपीट एंटिबॉडी स्क्रीन	☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन	☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन
	☐	एंटिबॉडी आइडेंटिफिकेशन		
*	☐	डाइरैक्ट एंटिग्लोबुलिन टेस्ट	☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन	☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन
	☐	हीमोग्लोबिन		
	☐	प्लाज्मा हीमोग्लोबिन		
	☐	यूरिन हीमोग्लोबिन		
	☐	बिलिरूबिन(टोटल/कोंजूगेटेड)		
	☐	प्लटेलेट काउंट		
	☐	पीटी/आईएनआर		
*	☐	ब्लड कल्चर ऑफ ब्लड बैग	☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन	स्पेसिफाइ ओर्गनिज़्म इफ पॉज़िटिव
*	☐	ब्लड कल्चर ऑफ पेशंट	☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन स्पेसिफाइ ओर्गनिज़्म इफ पॉज़िटिव..........................	☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन स्पेसिफाइ ओर्गनिज़्म इफ पॉज़िटिव..........................
	☐	चेस्ट एक्सरे ऑफ दि पेशंट इन केस ऑफ सस्पेक्टेड ट्राली		
इन केस ऑफ नॉन-हीमोलयसिस (व्हिच ऑफ दि फॉलोइंग वॉज दि केस ?)				
	☐	हीमोलयसिस ड्यू टु फ्रीजिंग ऑफ पीआरबीसी यूनिट्स		
	☐	हीमोलयसिस ड्यू टु इनअप्परोंप्रिएट वार्मिंग ऑफ पीआरबीसी यूनिट्स		
	☐	हीमोलयसिस ड्यू टु इनफ्यूजन ऑफ अदर फ्लुइड थ्रू सेम बीटी सेट	स्पेसिफाइ फ्लुइड	
	☐	मेकैनिकल डैमेज		
इन केस ऑफ एबीओ मिसमैच (विच ऑफ दि फॉलोइंग वाज दि केस ?)				
	☐	रोंग ब्लड इन ट्यूब		
	☐	ग्रूपिंग एरर		
	☐	लेबलिंग एरर		
	☐	रोंग यूनिटस ट्रानफ्यूज्ड		

(ई) नेचर ऑफ ऍडवर्स रिएक्शन(स)*

सलेक्ट	**रिएक्शन**	**डेट एंड टाइम ऑफ ओनसेट ऑफ रिएक्शन**	**डेट एंड टाइम ऑफ रिकवरी**	**आउटकम**
☐	फिब्राइल नॉन हीमोलयसिस रिएक्शनस (एफ़एनएचटीआर) 1° डिग्री सेंटीग्रेड इन टेमपरेचर ☐ 2° डिग्री सेंटीग्रेड इन टेमपरेचर ☐ ओनली चिल्ल्स एंड रिगर्स ☐			☐ 1. डैथ फॉलोइंग दि ऍडवर्स रिएक्शन(स) ☐ 2. रिकवर्ड ☐ 3. रिकवर्ड विथ सीक्वल ☐ 4. अंनोन
☐	अलर्जिक रिएक्शन			
☐	ऐनफ्लैक्सिस			
☐	इम्यूनोलोजिकल हीमोलयसिस ड्यू टु एबीओ इनकमटिबिलिटी			
☐	इम्यूनोलोजिकल हीमोलयसिस ड्यू टु अदर अल्लो एंटिबॉडीस			
☐	नॉन- इम्यूनोलोजिकल हीमोलयसिस			
☐	हाइपोटेंसिव ट्रानफ्यूजन रिएक्शन			
☐	ट्रानफ्यूजन रिलेटेड एक्यूट लंग इंजूरी (ट्राली) डेफनिट ☐ पोसिबल ☐			
☐	ट्रानफ्यूजन एसोशिएटेड डिस्पवीअ(टीएडी)			
☐	ट्रानफ्यूजन एसोशिएटेड सरकुलेटरी ओवरलोड (टेको)			
☐	ट्रानफ्यूजन ट्रांसमिटेड बेक्टीरियल इन्फेक्शन			
☐	ट्रानफ्यूजन ट्रांसमिटेड बेक्टीरियल इन्फेक्शन (मलेरिया)			
☐	पोस्ट ट्रानफ्यूजन परप्यूरा			
☐	ट्रानफ्यूजन एसोशिएटेड ग्राफ्ट वर्सेस होस्ट डिजिज (टीएजीवीएचडी)			
☐	अदर रिएक्शन (स) ऍड न्यू			

(एफ) इंप्यूटबिलिटी असेस्मन्ट*

सि. न.	रिएक्शन टर्म	ट्रांसफ्यूजन प्रॉडक्ट/कंपोनेंट	*इंप्यूटबिलिटी असेस्मन्ट (प्लीज मैंशन फ्रोम दि बिलो लिस्ट)

*इंप्यूटबिलिटी 1. डेफनिट(सर्टेन), 2. प्रोबेबल(लाइकलि), 3. पोबेबल, 4 .अनलाइकलि(डावुटफुल), 5. एक्सक्लुडेड, 6. नॉटअसेसड

मंथलि डेनोमिनेटर रेपोर्टिंग फॉर्म*

हॉस्पिटल कोड	मंथ/इयर
ब्लड कंपोनेंट	**न. ऑफ यूनिटस इशूड**
1) सालाइन वॉशड रेड सेल्स	
2) कोविड-19 कान्वलेसन्ट प्लाज्मा	
3) फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा	
4) होल ब्लड	
5) पैक्ट रेड ब्लड सेल्स (पीआरबीसी)	
6) बफी कोट डेपलेटेड पीआरबीसी	
7) ल्यूकोफिलटरड पीआरबीसी	
8) रैनडम डोनर प्लेटलेट्स/पूलड	
9) एफेरेसिस प्लेटलेट्स	
10) क्रयोपरीसीपीटेट	
11) एनी अदर	

एचवीपीआई के तहत अपने केंद्र का नामांकन कैसे कराएं

कौन नामांकन कर सकता है?

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग / ब्लड सेंटर के प्रमुख / प्रभारी

नामांकन कैसे कराएं ?

1) ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग / रक्त केन्द्र के प्रमुख / प्रभारी राष्ट्रीय समन्वय केन्द्र (एनसीसी) – भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) को आवश्यक विवरण देते हुए नामाकंन फार्म को विधिवत रूप से भरकर या तो एनसीसी, राष्ट्रीय जैविक संस्थान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, प्लॉट संख्याः ए–32, सेक्टर–62, इंस्टीट्यूशनल एरिया, नोएडा–201309 (उत्तर प्रदेश) को भेजे या एनसीसी को ई–मेल haemovigilance@nib.gov.in के माध्यम से भेजें।

2) एनसीसी केंद्र द्वारा प्रदान किए गए विवरणों का सत्यापन करता है।

3) सत्यापन के बाद, एनसीसी क) हीमो–विजिल सॉफ्टवेयर ख) डोनर–विजिल सॉफ्टवेयर को उपयोग करने के लिए ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग / ब्लड सेंटर के प्रमुख / प्रभारी को उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड जारी करता है ताकि वे एनसीसी को ट्रांसफ्यूजन प्रतिक्रिया रिपोर्ट और प्रतिकूल रक्तदाता प्रतिक्रिया रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकें।

पंजीकृत फॉर्म को http://nib.gov.in/media/Annexure7.pdf से डाउनलोड करें.

कैसे रिपोर्ट करें ?

आधान प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं को हीमो–विजिल सॉफ्टवेयर एवं प्रतिकूल रक्त प्रतिक्रियाओं की डोनेशन में डोनर–विजिल सॉफ्टवेयर से रिपोटिंग की जाए.

क) एचवीपीआइ के अंतर्गत पंजीकृत केंद्र एनसीसी–एचवीपीआइ,एनआईबी से यूज़र आईडी तथा पासवर्ड प्राप्त करता है।

ख) दोनों साफ्टवेयर अर्थात Haemo-Vigil (प्रतिकूल आधान प्रतिक्रियों की रिपोर्ट) एवं Donor-Vigil (प्रतिकूल रक्तदाता प्रतिक्रियाओं की रिपोर्ट) के लिए यूज़र आईडी, पासवर्ड एक ही है।

ग) इन सॉफ्टवेयरों का भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के टैब में एनआईबी वैबसाइट अर्थात www.nib.gov.in के माध्यम से लिंक उपलब्ध है।

घ) प्रतिकूल रिपोर्टों को उक्त वर्णित सॉफ्टवेयरों के माध्यम से एनसीसी–एचवीपीआइ, एनआईबी में प्रतिकूल रिपोर्ट को अपलिंक एवं ऑनलाइन प्रेषित कर सकते हैं।

राष्ट्रीय जैविक संस्थान–राष्ट्रीय समन्वयक केंद्र–एचवीपीआई

आभार–प्रदर्शन

एचवीपीआई समाचार–पत्रक के इस अंक में सुश्री रुचि राव (तकनीकी परामर्शदाता), श्री आकाश चौधरी (बेंच जैव विज्ञानी) सुश्री संगीता यादव एवं श्री सुशांत पांचाल (डेटा एंट्री ऑपरेटर) हीमोविजिलेंस प्रभाग,एनआईबी द्वारा प्रदान किए गए योगदान के लिए एनसीसी–एचवीपीआई आभार व्यक्त करता है.

राष्ट्रीय जैविक संस्थान,

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
ए–32, सैक्टर–62, एनएच–24 के पास,नोएडा –201309, उत्तर प्रदेश.
एनआईबी वैबसाइट http://nib.gov.in
टेली 0120–2400072,0120–2593612 फ़ैक्स : 0120–2403014

टोल फ्री नंबर 1800–180–2588 [सोम. से शुक्र (पूर्वाह्न 9:00 से सायं 5:30 तक)]
भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के संबंध में जानकारी

भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के बारे में किसी सूचना/सुझाव के लिए डॉ. आकांक्षा बिष्ट, वैज्ञानिक, ग्रेड–II एवं प्रमुख–भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम, एनआईबी, नोएडा को **haemovigilance@nib.gov.in** पर संपर्क कर सकते हैं.

Designed & Printed by : www.censer.in (Ph) 9810213218